हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
शुक्रवार, 24 दिसंबर 2021, बरेली, उत्तर प्रदेश, 21 संस्करण
www.livehindustan.com

PAGE NO. : 09 MIDDLE

मंच पर दिखा व्यंग्य-भावनाओं का संगम

बरेली | कार्यालय संवाददाता

एसआरएमएस रिद्धिमा में गुरुवार को हास्य, व्यंग और भावनाओं का संगम मंच पर देखने को मिला। नाटक इनसे मिलिए का मंचन हुआ। नाटक का निर्देशन फिल्म जगत के जाने माने अभिनेता सलीम शाह ने किया। कलाकरों ने नाटक कहानियों से समाज को आइना दिखाने का प्रयास किया। कलाकरों ने जमकर तालियां बटोरीं।

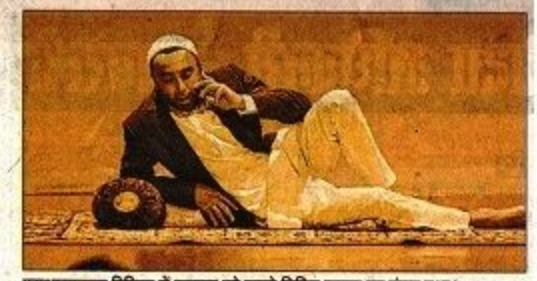

एसआरएमएस रिद्धिमा में गुरुवार को इनसे मिलिए नाटक का मंचन हुआ।

नाटक की शुरूआत पहली कहानी श्यामनाथ नाम के व्यक्ति से शुरू होती है। श्यामनाथ जो कि अपने बॉस के लिए रात्रिभोज की मेजबानी कर रहे हैं, और सभी व्यवस्थाओं को अच्छी तरह से देखा जा रहा है। इतने में उनकी पत्नी कहती है, बूढ़ी अनपढ़ मां का क्या करें ? श्यामनाथ ने मां से कहा कि बॉस खाने पर आने वाले हैं। अच्छे से कपड़े पहन लेना और खर्राटे मत लेना। मां कहती है, बेटा जबसे बीमार हुई हूं अपने आप ही ये समस्या हो गई है। इसपर श्यामनाथ मां से कहते हैं, आज आप पड़ोस में चली जाओ। डिनर करने के बाद बॉस की मुलाकात मां से होती और वे उनसे मिलकर खुश होते हैं। नाटक में अगली कहानी एक ऐसी महिला की है, जो उसके ससुरालवालो की नजर में बांझ है। उसकी सास और पति एक ढोंगी बाबा के पास उसे ले जाते हैं। ढोंगी बाबा महिला के साथ साथ दुष्कर्म करता है। तीसरी कहानी हास्य से भरपूर रही। जिसमें दिखाया गया। कैसे एक जिहादी मानसिकता का व्यक्ति शहादत के नाम पर लोगों को मारता है। अंत में जब खुद उसके लोग उसकी शहादत की तैयारी कर लेते हैं। तब समझ आता है, जो उसने शहादत के नाम पर किया, वह गलत था।